1. हिन्दी पाठ्यक्रम – ए

(कोड सं 0 – 002)

कक्षा – 9

एक प्रश्नपत्र	समय– 3 घंटें	पूर्णाक – 100

इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगें – खंड 'क' , खंड 'ख' और खंड 'ग' । खंड 'क' 30 अंकों का , खंड 'ख' 60 अंकों का तथा खंड 'ग' 10 अंकों का होगा ।

खंड 'क' के तीस अंकों का विवरण निम्नलिखित है :

खंड 'क'

व्याकरण और रचना :

(व्याकरण : वर्ण – विचार, शब्द – संपदा, शब्द–रचना, संधि समास, अलंकार, अपठित बोध, निबंध–लेखन और पत्र–लेखन)

(अंक)

क–1 वर्ण–विचार : स्वर एवं व्यंजन का अर्थ, भेद, वर्ण विन्यास ; 3

क–2 शब्द – संपदा 4

(i) अर्थ की दृष्टि से (एकार्थी, अनेकार्थी, पर्यायवाची, विलोम)
(ii) प्रयोग की दृष्टि से (सामान्य, तकनीकी, अर्धतकनीकी)
(iii) इतिहास की दृष्टि से (तत्सम, तद्भव, देशज, आगत)
(iv) रचना की दृष्टि से (मूल और व्युत्पन्न)

क –3 शब्द – रचना 4

(i) उपसर्ग
(ii) प्रत्यय
(iii) समास

- अव्ययीभाव
- तत्पुरुष, कर्मधारय, द्विगु
- बहुब्रीहि
- द्वंद्व

(अंक)

क–4	अलंकार	2
	(i) अनुप्रास	
	(ii) यमक	
	(iii) उपमा	
	(iv) रूपक	
क–5	अपठित – बोध	10
	(एक गद्यांश और एक काव्यांश –– केवल खड़ी बोली हिन्दी में)	
	(1) बोध के 2 लधुउत्तरात्मक प्रश्न और शीर्षक का चुनाव	5
	(2) काव्यांश से 2 बोधात्मक प्रश्न और एक शब्द बोध / अलंकार चयन पर प्रश्न	5
क–6	रचना	
	संकेत बिदुओं पर आधारित दो में से एक विषय पर अनुच्छेद लेखन (80–100)	7

खण्ड 'ख'

निर्धारित पाठ्य –– पुस्तकें : 60

1. साहित्य मंजरी भाग – I (संशोधित संस्करण – 2005)
2. मधु संचय भाग – I (पूरक पुस्तक)

} एन 0 सी 0 ई 0 आर 0 टी द्वारा प्रकाशित

3. शिक्षार्थी व्याकरण और व्यावहारिक हिन्दी

पाठ्य पुस्तक (साहित्य, मंजरी भाग – 1)

ख–1	(1) दो मे से किसी एक काव्यांश पर आधारित अर्थ–ग्रहण संबंधी चार या पांच प्रश्न		10
ख–2	दो में से एक काव्यांश पर काव्य – सौंदर्य (भाव, शब्द, प्रयोग, अलंकार) संबंधी दो प्रश्न	3+3	6
ख–3	कविता से दो में से एक बोधात्मक प्रश्न		5
ख–4	कविता से जीवन–मूल्यों से संबधित 3 में से 2 प्रश्न	2+2	4
ख–5	दो में से किसी एक गंद्याश पर आधारित अर्थ – ग्रहण संबंधी चार प्रश्न		8
ख–6	संकलित निबंधो पर आधारित विचार – विशलेषणात्मक 3 प्रश्न	2+3+3	8
ख–7	चार में से तीन लघुत्तरात्मक प्रश्न (गद्य – पाठों पर आधारित)	2+2+2	6
ख–8	लेखक का संक्षिप्त जीवन परिचय तथा किन्ही दो रचनाओं का उल्लेख	2+1	3
पूरक पुस्तक (मधु – संचय भाग –1)			10
ख–9	दो में से एक निबंधात्मक प्रश्न		4
ख–10	चार में से तीन लघुत्तरात्मक प्रश्न	2+2+2	6

खंड 'ग'

(मौखिक – अभिव्यक्ति)

अंक

10

ग–1 सुनना 5

वर्णित या पठित सामग्री को सुनकर अर्थग्रहण करना

वार्तालाप, वाद विवाद, भाषण, कविता पाठ

आदि को सुनकर समझना, मूल्यांकन करना और

अभिव्यक्ति के ढंग को जानना

ग–2 बोलना 5

(i) भाषण, वाद–विवाद

(ii) गति, लय, आरोह अवरोह सहित सस्वर कविता – वाचन

(iii) वार्तालाप और उसकी औपचारिकताएँ

(iv) कार्यक्रम–प्रस्तुति

(v) कथा–कहानी अथवा घटना सुनाना

(vi) परिचय देना, परिचय प्राप्त करना

(vii) भावानुकूल संवाद वाचन

वार्तालाप की दक्षताएं

टिप्पणी : वार्तालाप की दक्षताओ का मूल्यांकन निरंतरता के आधार पर परीक्षा के समय होगा । निर्धारित 10 अंको में से 5 श्रवण (सुनना) के मूल्यांकन के लिए और 5 वाचन (बोलना) के मूल्यांकन के लिए होंगे ।

श्रवण (सुनना) का मूल्यांकन

परीक्षक किसी प्रासंगिक विषय पर एक अनुच्छेद का स्पष्ट वाचन करेगा । अनुच्छेद तथ्यात्मक या सुझावात्मक हो सकता है । अनुच्छेद लगभग 200 शब्दों का होना चाहिए । परिक्षार्थी परीक्षक को सुनते – सुनते अलग कागज पर दिए हुए श्रवण बोधन के अभ्यासों को हल कर सकेंगें । अभ्यास रिक्त स्थान पूर्ति, बहुविकल्पी अथवा सत्य/असत्य का चुनाव आदि विधाओं में हो सकते हैं । प्रत्येक आधे अंक के लिए 10 परीक्षण प्रश्न होंगे ।

वाचन (बोलना) का परीक्षण

1. **चित्रों के क्रम पर आधरित वर्णन :** इस भाग में अपेक्षा की जाएगी कि परीक्षार्थी विवरणात्मक भाषा का प्रयोग करें ।

2. **किसी चित्र का वर्णन :** (चित्र लोगों के या स्थानों के हो सकते हैं)

3. किसी निर्धारित विषय पर बोलना जिससे वह अपने व्यक्तिगत अनुभव का प्रत्यास्मरण कर सकें ।

4. कोई कहानी सुनाना या किसी घटना का वर्णन करना ।

टिप्पणी :

1. परीक्षण से पूर्व परीक्षार्थी को तैयारी के लिए कुछ समय दिया जाए ।
2. विवरणात्मक भाषा में वर्तमान काल का प्रयोग अपेक्षित है ।
3. निर्धारित विषय परीक्षार्थी के अनुभव संसार के हो जैसे : कोई चुटकुला या हास्य – प्रसंग सुनाना, हाल में पढ़ी पुस्तक या देखे गए सिनेमा की कहानी सुनाना ।
4. जब परीक्षार्थी बोलना प्रारंभ कर दे तो परीक्षक कम से कम हस्तक्षेप करें ।

कौशलों के अंतरण का मूल्यांकन

	श्रवण (सुनना)		वाचन (बोलना)
1.	विद्यार्थी में परिचित संदर्भो में प्रयुक्त शब्दों और पदों को समझने की सामान्य योग्यता है, किन्तु सुसंबद्ध आशय को नही समझ पाता ।	1.	शिक्षार्थी केवल अलग–अलग शब्दों और पदों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है किन्तु एक सुसंबद्ध स्तर पर नही बोल सकता ।
3	छोटे संबद्ध कथनों को परिचित संदर्भो में समझने की योग्यता है ।	3.	परिचित संदर्भो में केवल छोटे संबद्ध कथनों का सीमित शुद्वता से प्रयोग करता है ।
5.	परिचित या अपरिचित दोनों संदर्भो में कथित सूचना को स्पष्ट समझने की योग्यता है । अशुद्धितयों करता है । जिससे प्रेषण में रुकावट आती है ।	5.	अपेक्षाकृत दीर्घ भाषण में अधिक जटिल कथनो के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है ; अभी भी कुछ अशुद्धियॉं करता है । जिससे प्रेषण में रुकावट आती है ।
6.	दीर्घ कथनों की श्रृंखला को पर्याप्त शुद्वध्ता से समझता है और निष्कर्ष निकाल सकता है ।	6.	अपरिचित स्थितियों में विचारों को तार्किक ढंग से संगठित कर धारा प्रवाह रूप में प्रस्तुत कर सकता है, ऐसी गलतियाँ करता है जिनसे प्रेषण में रूकावट नहीं आती ।
7.	जटिल कथनों के विचार – बिंदुओं को समझने की योग्यता प्रदर्शित करता है, उद्देश्य के अनुकूल सुनने की कुशलता प्रदर्शित करता है ।	7.	उद्देश्य और श्रोता के लिए उपयुक्त शैली को अपना सकता है, केवल मामूली गलतियाँ करता है ।

निर्धारित पुस्तकें :

1. साहित्य मंजरी भाग – 1
2. मधु संचय भाग – 1
3. शिक्षार्थी व्याकरण और व्यावहारिक हिन्दी

} एन 0 सी 0 ई 0 आर 0 टी द्वारा प्रकाशित

d{kk & 10

एक प्रश्नपत्र	समय – 3 घंटें	पूर्णांक – 100

विषय सामग्री			अंक
इस प्रश्नपत्र के 4 खंड होंगें, जिनका विवरण इस प्रकार हैः			
खंड – क	व्याकरण (हिन्दी और उसका स्वरूप, पद–विचार, वाक्य – विचार अलंकार – परिचय)		15
खंड – ख	रचना		15
(i)	अनुच्छेद – लेखन	7	
(ii)	पत्र – लेखन	8	
खंड – ग	अपठित बोध		10
(i)	गद्यांश – बोध	5	
(ii)	काव्यांश – बोध	5	
खंड – घ	पाठ्य पुस्तकें		60
(i)	साहित्य मंजरी (भाग – 2) (गद्य–भाग) काव्य भाग	25 25	
(ii)	मधु–संचय (भाग–2) पूरक पाठ्य पुस्तक	10	

उपर्युक्त चारों खंडों का विस्तृत अंक – विभाजन इस प्रकार होगा

[kM & d

क.1 व्याकरणः 15

क(i) हिन्दी और उसका स्वरूप

भारतीय भाषा – परिवार और हिन्दी	1	4
हिन्दी की भूमिकाएँ – संपर्क भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा	1	
हिन्दी और उसकी बोलियाँ	1	
प्रयोजनमूलक हिन्दी	1	

क.2 पद – विचार 3

शब्द और पद 1
पद – भेद (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया और अव्यय) 2

क.3 वाक्य – विचार 4

वाक्य–रचना (वाक्य – भेद – रचना की दृष्टि से, अर्थ की दृष्टि से) 2
वाक्य–विश्लेषण, संश्लेषण और रचनान्तरण 2

क.4 अलंकार – परिचय व्याकरण की पुस्तक में वर्णित आठ अलंकार 4

[kM & [k 15

ख.1 अनुच्छेद लेखन संकेत – बिन्दुओं के आधार पर 2 में से विषय पर अनुच्छेद लेखन 7

ख.2 पत्र–लेखनः औपचारिक (प्रार्थना पत्र, आवेदन–पत्र, बधाई पत्र, धन्यवाद पत्र शुभकामना पत्र, शिकायती पत्र आदि) 8
और अनौपचारिक पत्रों में से एक पत्र

[kM & x

ग. अपठित बोध (गद्यांश + काव्यांश केवल खड़ी बोली में) 10

ग 1 लगभग 150 शब्दों में दिया गया एक गंद्याश और उस पर आधारित पांच प्रश्न 5

(i) शीर्षक का चुनाव 1
(ii) चार बोधात्मक प्रश्न 4

ग 2 दिए गए काव्यांश पर आधारित पांच बोधात्मक प्रश्न 5

[kM & ?k

पाठ्य पुस्तकें: 60

साहित्य मंजरी भाग – 2 (गद्य–पथ–संकलन)

मधु संचय भाग – 2 (पूरक पुस्तक)

घ 1 गद्य – खंड

(i) दो में से किसी एक गद्यांश पर आधारित अर्थग्रहण–संबंधी 4 प्रश्न 2+2+2+2 8

	(ii)	निबंधों पर आधारित विचार – विश्लेषणात्मक तीन में से दो प्रश्न	3+3	6
	(iii)	गद्य–पाठों पर आधारित तीन में से दो लघुत्तरात्मक प्रश्न	3+3	6
	(iv)	गद्य–पाठों पर आधारित जीवन – मूल्यों से संबधित तीन में से दो लघुत्तरात्मक प्रश्न	3+2	5
घ 2	काव्य – खंड :			25
	(i)	दो में से किसी एक काव्यांशों पर अर्थ – ग्रहण संबंधी चार प्रश्न	2+2+2+2	8
	(ii)	दो काव्यांशों में से किसी एक पर काव्य सौंदर्य संबंधी चार प्रश्न (भाव सौंदर्य, शब्द प्रयोग व अलंकार)	2+2+2+2	8
	(iii)	कविता से जीवन मूल्यों से संबधित दो में से एक लघुत्तरात्मक प्रश्न		3
	(iv)	पठित कविताओं के आधार पर दो में से एक बोधात्मक प्रश्न		3
	(v)	किसी एक लेखक का संक्षिप्त परिचय		3
		(1) जीवन–परिचय (संक्षिप्त)	2	
		(2) किन्ही दो रचनाओं का नामोल्लेख	1	
घ 3.	पूरक पुस्तक :			10
	(i)	पाठों पर आधारित 4 में से 3 लघुत्तरात्मक प्रश्न	2+2+2	6
	(ii)	पाठों पर आधारित 2 में से एक निबंधात्मक प्रश्न		4

निर्धारित पुस्तकें : 60

1. साहित्य मंजरी भाग – 2
2. मधु संचय भाग – 2
3. शिक्षार्थी व्याकरण और व्यावहारिक हिन्दी

(एन 0 सी 0 ई 0 आर 0 टी द्वारा प्रकाशित)

1. हिन्दी पाठ्यक्रम–'बी'

(कोड सं0–085)

कक्षा–9

एक प्रश्नपत्र	समय–3 घटें	पूर्णाकं–100

इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे–खंड 'क', खंड 'ख' और खंड 'ग'। खंड 'क' 40 अंको, खंड 'ख' 50 अंको का तथा खंड 'ग' 10 अंको का होगा। खंड 'क' में व्याकरण, अपठित – बोध, पत्र और निबंध – लेखन होंगे। खंड 'ख' में निर्धारित दो पुस्तकें – पाठ्य पुस्तक गद्य – पद्य संकलन और पूरक पुस्तक तथा खंड 'ग' में मौखिक अभिव्यक्ति होगी।
उपयुक्त तीनों खंडों का अंक – 'विभाजन इस प्रकार होगा :

खंड (क)

(कुल अंक – 40)

(व्याकरण, मुहावरे, लोकोक्तियां, अपठित – बोध, पत्र लेखन और निबंध – लेखन)			**अंक**
क–1	वर्ण–विचार :		3
	(1) वर्ण : व्यजंनो के प्रकार	1	
	(2) वर्तनी (दो अशुद्ध शब्दों की वर्तनी शुद्ध करना)	2	
क–2	शब्द–विचार		6
	(1) शब्द–भेद तत्सम, तद्भव, देशज और आगत तथा एकार्थी , अनेकार्थी, पर्यायवाची और विलोम	4	
	(2) शब्द–रचना–उपसर्ग और प्रत्यय (पाठ्य पुस्तक के आधार पर)	2	
क–3	पद–विचार		9
	(1) लिंग, वचन और कारक	3	
	(2) पद–भेद : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया (सकर्मक, अकर्मक) और अव्यय	6	
क–4	मुहावरे (पाठ्य पुस्तक के आधार पर)		2
क–5	अपठित–बोध (गधांश + काव्यांश केवल खड़ी बोली में)		10
	(1) लगभग 150 शब्दों में दिया गया एक गधांश और उस पर आधारित पाँच प्रश्न		
	(1) शीर्षक का चुनाव	1	
	(2) 2–4 बोधात्मक प्रश्न	4	
	(2) दिए गये काव्यांश पर आधारित 3 से 5 बोधात्मक प्रश्न	5	
क–6	पत्र – लेखन (अनौपचारिक) माता–पिता , मित्र संबधी आदि		4
क–7	अनुच्छेद लेखन : संकेत बिंदुओं पर आधारित दो विषयों में से एक पर 80 से 100 शब्दों का अनुच्छेद		6
	खंड (ख)		50

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. संवाद भाग–1 (पाठ्यपुस्तक)
2. कथा लोक भाग–1 (पूरक पुस्तक)

काव्य भाग			**20**
ख–1	दो में से एक काव्याशं पर आधारित तीन प्रश्न होंगें		5
			(अंक)
	(1) कवि और कविता का नामोल्लेख		1
	(2) अर्थ ग्रहण–संबधित दो प्रश्न	2+2	4
ख–2	दो में से एक काव्यांश पर आधारित काव्य सौंदर्य (भाव , शब्द प्रयोग , अंलकार)	2+1+1	4
ख–3	दो में से एक कविता का प्रतिपाद्य		3
ख–4	कविता पर जीवन मूल्यों से संबधित दो में से एक प्रश्न		4
ख–5	कविता पर दो में से एक बोधात्मक प्रश्न		4
	गद्य – भाग		20
ख–6	दो में से एक गधांश पर अर्थ ग्रहण संबंधी चार प्रश्न	2+2+2+2	8
ख–7	विचार – विश्लेषणात्मक प्रश्न (गद्य पाठों पर आधारित तीन में से दो प्रश्न	4 + 4	8
ख–8	दो में से एक बोधात्मक प्रश्न		4
	पूरक–पुस्तक		10
ख–9	दो में से एक निबंधात्मक प्रश्न		4
ख–10	तीन में से दो लघूत्तरात्मक प्रश्न		6

खंड 'ग'
(मौखिक–अभिव्यक्ति)

ग–1 सुनना 5

वर्णित या पठित सामग्री को सुनकर अर्थग्रहण करना
वार्तालाप, वाद–विवाद, भाषण , कविता पाठ ,
आदि को सुनकर समझना , मूल्यांकन करना और
अभिव्यक्ति के ढंग को जानना

ग–2 बोलना 5

(i) भाषण , वाद–विवाद
(ii) गति , लय , आरोह अवरोह सहित सस्वर कविता–वाचन
(iii) वार्तालाप और उसकी औपचारिकताएँ
(iv) कार्यक्रम–प्रस्तुति
(v) कथा–कहानी अथवा घटना सुनाना
(vi) परिचय देना , परिचय प्राप्त करना
(vii) भावानुकूल संवाद वाचन

वार्तालाप की दक्षताएँ

टिप्पणी : वार्तालाप की दक्षताओं का मूल्यांकन निरंतरता के आधार पर परीक्षा के समय होगा। निर्धारित 10 अंकों में से 5 श्रवण (सुनना) के मूल्यांकन के लिए और 5 वाचन (बोलना) के मूल्यांकन के लिए होंगे।

श्रवण (सुनना) का मूल्यांकन

परीक्षक किसी प्रासंगिक विषय पर एक अनुच्छेद का स्पष्ट वाचन करेगा। अनुच्छेद तथ्यात्मक या सुझावात्मक हो सकता है। अनुच्छेद लगभग 200 शब्दों का होना चाहिए। परीक्षार्थी परीक्षक को सुनते–सुनते अलग कागज पर दिए हुए श्रवण बोधन के अभ्यासों को हल कर सकेंगें। अभ्यास रिक्त स्थान पूर्ति, बहुविकल्पी अथवा सत्य/असत्य की चुनाव विधाओं में हो सकते हैं। प्रत्येक आधे अंक के लिए 10 परीक्षण प्रश्न होंगे।

वाचन (बोलना) का परीक्षण

1. **चित्रों के क्रम पर आधारित वर्णन :** इस भाग में अपेक्षा की जाएगी कि परीक्षार्थी विवरणात्मक भाषा का प्रयोग करें।
2. **किसी चित्र का वर्णन :** (चित्र लोगों के या स्थानों के हो सकते हैं)।
3. किसी निर्धारित विषय पर बोलना जिससे वह अपने व्यक्तिगत अनुभव का प्रत्यास्मरण कर सके।
4. कोई कहानी सुनाना या किसी घटना का वर्णन करना।

टिप्पणी :

1. परीक्षण से पूर्व परीक्षार्थी को तैयारी के लिए कुछ समय दिया जाए।
2. विवरणात्मक भाषा में वर्तमान काल का प्रयोग अपेक्षित है।
3. निर्धारित विषय परीक्षार्थी के अनुभव संसार के हो जैसे : कोई चुटकुला या हास्य – प्रसंग सुनाना, हाल में पढ़ी पुस्तक या देखे गए सिनेमा की कहानी सुनाना।
4. जब परीक्षार्थी बोलना प्रारंभ कर दे तो परीक्षक कम से कम हस्तक्षेप करें।

कौशलों के अंतरण का मूल्यांकन

	श्रवण (सुनना)		वाचन (बोलना)
1.	विद्यार्थी में परिचित संदर्भो में प्रयुक्त शब्दों और पदों को समझने की सामान्य योग्यता है, किन्तु सुसंबद्ध आशय को नही समझ पाता ।	1.	शिक्षार्थी केवल अलग–अलग शब्दों और पदों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है किन्तु एक सुसंबद्ध स्तर पर नही बोल सकता ।
3	छोटे संबद्ध कथनों को परिचित संदर्भो में समझने की योग्यता है ।	3.	परिचित संदर्भो में केवल छोटे संबद्ध कथनों का सीमित शुद्वता से प्रयोग करता है ।
5.	परिचित या अपरिचित दोनों संदर्भो में कथित सूचना को स्पष्ट समझने की योग्यता है ।	5.	अपेक्षाकृत दीर्घ भाषण में अधिक जटिल कथनो के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है ; अभी भी कुछ अशुद्धियॉं करता है । जिससे प्रेषण में रुकावट आती है ।
6.	दीर्घ कथनों की श्रृंखला को पर्याप्त शुद्धता से समझता है और निष्कर्ष निकाल सकता है ।	6.	अपरिचित स्थितियों में विचारों को तार्किक ढंग से संगठित कर धारा प्रवाह रूप में प्रस्तुत कर सकता है ऐसी गलतियाँ करता है जिनसे प्रेषण में रूकावट नही आती ।
8	जटिल कथनों के विचार – बिंदुओं को समझने की योग्यता प्रदर्शित करता है, उद्देश्य के अनुकूल सुनने की कुशलता प्रदर्शित करता है ।	8	उद्देश्य और श्रोता के लिए उपयुक्त शैली को अपना सकता है, केवल मामूली गलतियाँ करता है ।

निर्धारित पुस्तकें :

1. संवाद भाग – 1 } एन. सी. ई. आर. टी. द्वारा प्रकाशित
2. कथा लोक भाग – 1 }
3. व्याकरण प्रवेश – केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित
4. व्यवहारिक हिन्दी व्याकरण और रचना (1995 edition) – एन. सी. ई. आर. टी. द्वारा प्रकाशित

कक्षा – 10

एक प्रश्नपत्र	समय–3 घंटे	पूर्णांक–100

विषय – सामग्री			(अंक)
क	व्याकरण		25
ख	रचना		15
	(प) निबंध / अनुच्छेद	10	
	(पप) पत्र	5	
ग	अपठित–बोध		10
	(प) गद्यांश	5	
	(पप) काव्यांश	5	
घ	पाठ्य पुस्तकें		50
	(प) संवाद भाग–2 (पाठ्य पुस्तक)	35	
	(पप) कथा लोक भाग–2 (पूरक पाठ्य पुस्तक)	15	

उपर्युक्त चारों खंडों का विस्तृत अंक–विभाजन इस प्रकार होगा –

खंड–क

क.	व्याकरण :		25
क.1.	**संधि** : स्वर संधि (दीर्घ, गुण, वृद्धि और यण्)		4
	संधि–विच्छेद	2	
	संधि करना	2	
क. 2.	**समास** : अव्ययीभाव, तत्पुरूष, कर्मधारय, दविगु , बहुव्रीहि, द्वंद्व		4
क. 3.	पद विचार :		7
	(i) पद और भेद	2	
	(ii) लिंग, वचन और कारक	3	
	(iii) वाच्य	2	

(अंक)

क–4	वाक्य विचार		10
	(i)	वाक्य–भेद : रचना और अर्थ के आधार पर	4
	(ii)	वाक्य संश्लेषण और रचनांतरण	2
	(iii)	वाक्य–अशुद्धिशोधन	2
	(iv)	विराम चिह्नों का प्रयोग	2

खंड––'ख'

रचना :

ख–1 अनुच्छेद लेखन 7

संकेत–बिंदुओं के आधार पर किन्ही दो विषयों में ये 80 से 100 शब्दों का एक अनुच्छेद

ख–2 पत्र–लेखन :

अनौपचारिक पत्र – निमंत्रण पत्र, पारिवारिक पत्र, वैयक्तिक पत्र 8

अथवा

औपचारिक पत्र – (कार्यालयों और व्यापारिक संस्थानों को लिखे जाने वाले पत्र)

(पूछताछ – संबंधी, शिकायती, आवेदन पत्र, सूचना और तत्संबंधी जानकारी)

10

खंड–ग

अपठित – बोध (गद्यांश और काव्यांश)

ग–1 लगभग 150 शब्दों में दिया गया एक गद्यांश और उस पर आधारित पांच प्रश्न 5

(i)	शीर्षक का चुनाव	1	
(ii)	दो से चार बोधात्मक प्रश्न	4	

ग–2 दिए गए काव्यांश पर आधारित तीन से पांच प्रश्न 5

खंड–घ 50

संवाद भाग–2

घ–1 संवाद भाग–2 20

गद्य–खंड

(1)	गद्य–खंड से दो में से एक गद्यांश पर अर्थग्रहण के तीन प्रश्न	2+2+2	6
(2)	गद्य–पाठों से तीन में से दो बोधात्मक प्रश्न	4+4	8
(3)	गद्य–पाठों से दो में से एक विचार विश्लेषणात्मक प्रश्न		6

घ–2	**पद्य–खंड**		**15**
(1)	दो में से एक काव्यांश पर आधारित तीन प्रश्न : कवि और कविता का नामोल्लेख		
	अर्थग्रहण संबंधी तीन प्रश्न	2+2+1	5
(2)	कविता के प्रतिपाद्य से संबंधित दो में से एक प्रश्न		4
(3)	कविता के सौंदर्य–बोध से संबंधित दो में से एक प्रश्न		4
(4)	कविता से दो में से एक बोधात्मक प्रश्न		2

ध–3	**कथा–लोक भाग–2**		15
(1)	पाठों पर आधारित चार में से तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न	2+2+2	6
(2)	पाठों पर आधारित तीन में से दो बोधात्मक प्रश्न	5+4	9

निर्धारित पुस्तकें :

1. संवाद भाग – 2 } एन. सी. ई. आर. टी. द्वारा प्रकाशित
2. कथा लोक भाग – 2 }
3. व्याकरण प्रवेश – केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित
4. व्यवहारिक हिन्दी व्याकरण और रचना (1995 edition) – एन. सी. ई. आर. टी. द्वारा प्रकाशित